"मानवता की सेवा ही हमारा धर्म होना चाहिए": लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 12 फरवरी 2020: लोक सभा अध्यक्ष ने आज संत गुरु रविदासजी की जयंती के अवसर पर नई दिल्ली के डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर श्री बिरला जी ने संत रविदासजी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और भारतीय संस्कृति, दर्शन और विचारधारा में गुरुजी के योगदान की प्रशंसा की। गुरु रविदास जी की सनातन शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि गुरुजी ने दलितों और वंचितों के उद्धार और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए कार्य किया। अपने पूरे दिव्य जीवन काल में गुरुजी ने समाज में समानता और बंधुत्व की भावना की स्थापना हेतु उपदेश दिया ताकि कोई भी भूखा न रहे और कोई भी पीछे न छूट जाए। श्री बिरला ने यह भी कहा कि गुरु रविदास जी के विचार और दर्शन समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और आज भी हमें अपने दैनिक जीवन में मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान करते हैं।

गुरुजी के शांति और बंधुत्व के संदेश का स्मरण करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि हमें जाति और वर्ग के भेदभावों से ऊपर उठना चाहिए और हम सब की एकता की भावना को मजबूत बनाना चाहिए। श्री बिरला ने कहा कि "मानवता की सेवा ही हमारा धर्म होना चाहिए।"

श्री बिरला ने विशिष्टजनों की सभा में कहा कि पूरे समाज को गुरु रविदास जी की शिक्षाओं को आत्मसात करना चाहिए और मानवता की सेवा के लिए स्वयं को समर्पित करना चाहिए। श्री बिरला ने यह भी कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमारा जन्म गुरुओं, संतों और विचारकों की इस महान भूमि पर हुआ है, जिनकी शिक्षाएं निरंतर हमारा मार्गदर्शन करती हैं।

अंत में श्री बिरला ने गर्मजोशी भरे आतिथ्य सत्कार के लिए कार्यक्रम के आयोजकों को धन्यवाद दिया और पूरे विश्व में महान गुरु रविदास जी के संदेश के प्रचार-प्रसार के लिए उनके द्वारा किए जा रहे अथक प्रयासों की सराहना की। इस कार्यक्रम में केंद्रीय संसदीय कार्य और जल संसाधन तथा गंगा संरक्षण राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित थे।